मोहयाल मित्र

संपादकीय

मोहयाल विद्यार्थियों को बधाई

अशोक लव

स्कूलों में पढ़ने वाले मोहयाल विद्यार्थियों ने खूब परिश्रम किया और वे नई कक्षाओं में चले गए हैं।

जनरल मोहयाल सभा की ओर से आप सबको बहुत–बहुत बधाई! नई कक्षाओं में खूब मन लगाकर पढ़ें।

दसवीं और बारहवीं कक्षा के परीक्षा– परिणाम आ गए हैं। इसमें हज़ारों मोहयाल विद्यार्थियों ने सफलताएँ प्राप्त की हैं। दसवीं कक्षा के विद्यार्थी ग्यारहवीं में चले गए हैं। उन्होंने अपनी इच्छा के अनुसार विषय चुने हैं। ह्यूमैनिटीज़, कॉमर्स और साइंस तीनों में से आपने किसी न किसी को अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए चुना होगा।

आज प्रत्येक विषय का अपना महत्व हो गया है। इनमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। नए सपनों के साथ परिश्रम करें और अपने सपनों को साकार रूप दें, हमारी शुभकामनाएँ आपके साथ हैं।

बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएँ दे रहे होंगे। भविष्य में देंगे भी। यह स्पर्धा का युग है। आशा है आपने बहुत अच्छी तैयारी की होगी आप अपने–अपने क्षेत्रों में प्रवेश लेकर श्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हमारी शुभकामनाएँ!

प्रत्येक व्यक्ति की अलग–अलग क्षमताएँ होती हैं क्योंकि सबका बौद्धिक स्तर समान नहीं होता। इसीलिए कुछ विद्यार्थी अच्छे अंक लाते हैं, कुछ बहुत अच्छे अंक लाते हैं और कुछ बहुत ही अच्छे अंक लाते हैं। जीवन में कभी भी किसी कारणवश निराश नहीं होना चाहिए। परीक्षाओं में कम अंक लाने वालों को भी हमने करियर में बहुत सफल होते देखा है। जीवन में यदि एक रास्ता बंद हो जाता है तो दूसरा अपने आप खुल जाता है। इसलिए निराश नहीं होना चाहिए। अपनी क्षमता के अनुसार ईमानदारी पूर्वक कार्य करने चाहिएँ।

माता–पिता को भी चाहिए कि अपने बेटे–बेटियों पर अनावश्यक दबाव न डालें। कई बार इसके दुष्परिणाम भी हो जाते हैं।

जनरल मोहयाल सभा की ओर से प्रति वर्ष दसवीं और बारहवीं कक्षा में श्रेष्ठ अंक पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष भी उन विद्यार्थियों को सम्मानित/पुरस्कृत किया जाएगा जिनके पाँचों अनिवार्य विषयों में 85 प्रतिशत और अधिक अंक आए हैं। ऐसे विद्यार्थियों और उनके माता–पिता से अनुरोध है कि वे 'मोहयाल मित्र' के इसी अंक में प्रकाशित फ़ार्म को भरकर तत्काल भेज दें। लोकल मोहयाल सभाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों से भी अनुरोध है कि वे ऐसे विद्यार्थियों से संपर्क करें और उनके फार्म भिजवाएँ।

अधिक जानकारी के लिए जनरल मोहयाल सभा के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को जनरल मोहयाल सभा के प्रेज़ीडेंट रायज़ादा बी.डी. बाली, सभी पदाधिकारियों और मैनेजिंग कमेटी सदस्यों की ओर से बधाई और हार्दिक शुभकामनाएँ!

बदलता इतिहास

कुछ दिन पूर्व मुझे महात्मा गाँधी जी के पोते राज मोहन गाँधी की पुस्तक "पंजाब और पंजावियत" (औरंगजेब से मांऊटबेटन तक) पढ़ने के लिए मिली। पुस्तक अंग्रेजी में थी, तथा गुरनानक देव जी व बाबर से शुरू की गई थी। ऐसा लगा कि कोई पाकस्तानी हमारा इतिहास लिख रहा है। भारत की आज़ादी के लिए जिन्होंने बलिदान दिए, धर्म–संस्कृति की रक्षा हेतु शीश कटवाए, फांसी पर चढ़े। उन शहीदों ने कभी सोचा नहीं होगा कि स्वतंत्र भारत के लेखक अपना इतिहास बुरी तरह बदल देंगे। इस पुस्तक को लिखने में लेखक ने उन ग्रन्थों की सहायता ली है, जो मुसलमानों को खुश करने के लिए लिखे गए हैं। राज मोहन गाँधी पुस्तक लिखने के दौरान 3–4 बार पाकिस्तान गया है। यदि वह एक–दो बार अमृत सर, पटियाला, होशियारपुर (साधु–आश्रम) के पुस्तकालयों में इतिहास की पुस्तकों का अध्ययन कर लेता, तो वास्तविक इतिहास लिखने में मदद मिल जाती है।

433 पृष्ठों की बड़े साईज़ की इस पुस्तक में से मैं कुछ उदाहरण प्रस्तुत कर रही हूँ–

"पंजाब" पुस्तक में 13वीं शताब्दी के मोयनद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन, कुत्तुबद्दीन काक, वारिस शाह, फरीद शाह आदि का बार–बार उल्लेख आया है, परन्तु जिन विभूतियों ने सिक्ख पंथ को दृढ़ किया, उनका कहीं उल्लेख नहीं। जैसे परागदास बाबा की सात पीढ़ियों ने गुरू नानक देव जी से लेकर गुरु गोविन्द सिंह तक साथ दिया। गुरू परिवार के परामर्श दाता, दीवान रहे। गुरू हरि गोबिंद द्वारा चलाए धर्म युद्धों में लड़े। धर्म रक्षा हेतु बलिदान दिए, उस छिब्ब परिवार (भाई पेरा, भाई चौपा राय, भाई मतिदास, सतिदास, गुरबख्श सिंह, धर्म चन्द आदि) के किसी सदस्य का पुस्तक में कहीं उल्लेख नहीं तीसरे गुरू श्री अमर दास जी के भतीजे भाई गुरदास व बाबा परागदास ने सारे भारत में घूम–घूम कर "श्री गुरू ग्रन्थ साहिब" की सामग्री इकट्ठी की, इन महानुभावों को भी पुस्तक "पंजाब" मे स्थान नहीं मिला।

"गुरूनानक देव जी ने बाबर को वरदान दिया था कि तुम्हारी सात पीढ़ियां भारत पर शासन करेंगी।" क्या हम सोच सकते हैं कि जिस बाबर की बर्बरता का उल्लेख सभी इतिहासकार हरबंस सिंह, गुरूनानक तथा सिक्ख धर्म का उद्भव करते रहे हैं। उसे गुरू नानक देव जी आशीर्वाद देंगे, "भारत पर शासन उसकी सात पीढ़ियां करेंगी।"

अभी तक हम ने यही पढ़ा– सुना था कि गुरू नानक जी बाबर की सेना के अत्याचारों से इतने दुखी हुए थे कि उन्होंने भगवान को उलाहना देते हुए कहा,

"इत्ती मार पडी कुरलाने। तैंकू (प्रभु) तरस न आइयो।।

हिन्दुओं नू सूफी संतों के प्रभाव में आकर इस्लाम धर्म अपनाया।

जजिया माफ कराने के हिन्दु के लिए मुस्लिम बन गए।

मृत्यु दण्ड से बचने के लिए भी स्वेच्छा से हिन्दु मुसलमान बन गए।

उपरोक्त कथन में भी पूरी सच्चाई नहीं। गुरू गोबिंद सिंह जी के चारों साहिबजादों के बलिदान ने हिन्दु बच्चों में इतनी जागृति ला दी, कि वे धर्म के लिए शीश कटवाने को तैयार हो जाते थे। बाल हकीकत राय के बलिदान की कथा प्रसिद्ध है। उसने शीश कटवा दिया था, परन्तु इस्लाम धर्म अपनाने से इंकार कर दिया। इसी तरह बंदा बहादुर के 800 सैनिकों को असहनीय यातनाएँ दी गई। उन्हें इस्लाम धर्म अपनाने को कहा गया परन्तु उन वीरों ने मौत को गले लगाया। श्री राज मोहन गांधी ने औरंगजेब को फकीर बादशाह की उपाधि दी है। वह फकीर बादशाह मुसलमानों के लिए होगा, हिन्दुओं के लिए तो एक अत्याचारी शासक था।

कुछ साल पहले अंबाला में "भाई मतिदास बलिदान दिवस" मनाया गया था। एक मुस्लिम भाई ने भाई मतिदास को श्रद्धांजलि देते हुए कहा था, "औरंगजेब मर गया, परन्तु भाई मतिदास अमर हो गए"। ऐसी ही सोच यदि सभी मुस्लिम भाइयों की हो, तो भारत की सभी समस्याएँ हल हो जाएँ।

लज्जा देवी मोहन *(मो.) 09671432717*

मोहयाल मित्तर

बुजुर्गों के चित्रों के साथ जो उनके जीवन का विवरण आप पत्रिका में देते हैं वहीं इसका प्रमुख आकर्षण है। मैं तो आँखें गढ़ा के देखता हूँ। इच्छा होती है बात करूँ रिश्तेदारों से परन्तु हो नहीं पाता। हर तस्वीर में अपना ही चेहरा नज़र आता है।

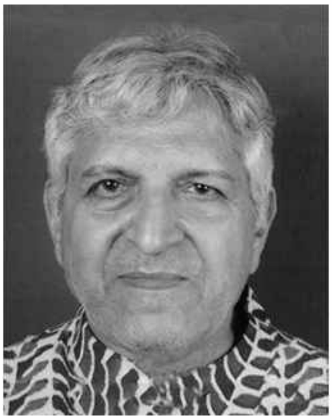

देख–देख प्रतिरूपी छवियाँ...

बुजुर्ग अपने बीच से उठते जा रहे हैं धीरे–धीरे। मैं स्वयं 76 हूँ परन्तु मुझे अपना ध्यान नहीं रहता... मुजफ्फराबाद (कश्मीर–पाक अधिकृत) से सात मील और आगे कोड़ी (को–ओडी) गाँव था मेरा। मैं अकेला बचा हूँ परिवार का पुराना लिंक... मोहयाल कभी उस स्थान की यात्रा का प्रोग्राम बनाए तो एक बची, अंतिम इच्छा पूरी होगी।

सब भाई को मेरा नमन ...

पूरनचंद बाली *'नमन' (मो.) 7045208241*

'वे दिन कितने सुंदर थे'

बचपन के वो भोलेपल, कभी भूल न पाऊँ।
ओ। मेरे प्यारे बचपन, तुझको नित पास बुलाऊँ।

निर्मल निश्छल निर्विकार, सच्चाई से भरपूर,
मासूमियत मस्ती का आलम, बुराइयों से दूर।

पावन इस मन की तुलना, क्या ईश्वर से कर पाऊँ?
ओ! मेरे प्यारे बचपन, तुझको नित पास बुलाऊँ।

चंचल चंदा सा मुख तेरा, उज्ज्वल छटा बिखेरे।
वह कैसे तेरे जैसा, उसमें कलंक घनेरे।

घटता बढ़ता रोज किसी दिन, बदली में छिप जाता।
तेरे जैसे उज्ज्वल मुख की, कभी न समता पाता।
नित नूतन तेरी सुंदरता में, आँखों को नहलाऊँ
ओ! मेरे प्यारे बचपन, तुझको नित पास बुलाऊँ।

पुष्प सा कोमल मुखड़ा तेरा, घर आंगन महका जाता।
मधुर मंद मुस्कान तुम्हारी, घर का कोना–कोना खिल जाता।

खिले हुए मुख तेरे से, अपना मन बहलाऊँ।
ओ! मेरे प्यारे बचपन, तुझको नित पास बुलाऊँ।

वह छोटी सी गुडिया, बारिश में तैरती कागज की नावें
वे काँच के कँचें, पंतगें जो मिलकर उड़ावें
वह गुल्ली डंडा, कोई ढूँढे और छिप जावें।

कागज के बनाकर उड़ाये जहाज़ कैसे भुला पाऊँ?
ओ मेरे प्यारे बचपन, तुझको नित पास बुलाऊँ।

वे गर्मी के दिन और खायें बुढिया के बाल,
पेड़ों से तोड़ी कच्ची अबिंया, खाई खट्टी मिट्ठी इमली लाल।

लॉलीपॉप, चॉकलेट देख, आज मुँह में पानी भर लाऊँ।
ओ! मेरे प्यारे बचपन, तुझको नित पास बुलाऊँ।

'मदरस डे' पर स्पेशल

इन्हें कभी न भूलें

जननी और जन्मभूमि एवं विद्या माँ।
ध्रुव की सगी 'सुनीति' और सौतेली सुरुचि माँ।
कृष्ण की जन्मदात्री 'देवकी' तथा पालनकर्त्ता 'यशोदा माँ'।
विश्व प्रसिद्ध समाज सेवी 'मदर टैरेसा'।
धरती, गंगा, गौ, गायत्री और जगत जननी पार्वती माँ।
लेडी विद् द् लैंप–'फ्लोरेंस नाइटिंगॅल'
पुत्र का बलिदान करने वाली धाय माँ–'पन्ना'
रानी होते हुए भी पुत्र की मृत्यु पर साड़ी का पल्लू फाड़ कर 'शमशान कर' देने वाली माँ 'तारामती' या 'शैव्या'।
पुत्र को पीठ पर बाँध कर रणभूमि में लड़ने वाली वीर माता ''लक्ष्मी बाई''
बचपन में प्रेरणा देने वाली शिवाजी की माँ ''जीजाबाई एवं गाँधी जी की माँ ''पुतली बाई।
भूमि की पुत्री ''भूमिजा सीता।
भारत कोकिला 'लता मंगेशकर।

नूतन वशिष्ठ 'लौ', *एफ–103, पैसाफिक इस्टेट अनुराग चौक बंसत विहार, देहरादून (फोन.) 135–2769702*

राजकुमार दत्ता जी का जन्मदिन

श्री राजकुमार दत्ता सुपुत्र श्री मनोहर लाल जी दत्ता जी का 13 मई 2016 को जन्मदिन था, परिवार ने इस मौके पर पूजा अर्चना की तथा श्री दत्ता जी की लम्बी आयु की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री दत्ता जी 489, न्यू विराट नगर पानीपत के निवासी हैं तथा पेशे से बिजनसमैंन हैं। इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नीलम दत्ता ने 500 रुपए जीएमएस को भेंट की।

-नरेन्द्र छिब्बर, *पानीपत*

दोष

दोष क्या है? दूसरों को जिम्मेदार ठहराना या फिर अपनी गलती को उजागर होने से पहले पल्ला झाड़ने के लिए दूसरों पर लगाया गया आरोप। आज का इन्सान स्वार्थी क्यों हो गया है कि दूसरों में दोष निकालकर खुश होना उसकी फितरत बन गई है। उसे लगता है कि दूसरों पर दोष लगा कर उसका खुद का दोष छिप गया है। ऐसा लगता है कि हम स्कूल में पढ़ने वाले छोटे बच्चों की तरह हो गए हैं जो बात–बात पर एक दूसरे की शिकायत करते रहते हैं। यह काम आसान है इसलिए जल्दी सीख गए पर इन छोटे बच्चों की तरह साफ दिल रखना नहीं सीख पाए जो लंच ब्रेक होते ही टिफ़िन शेयर करने पर ज़रा–सी भी देर नहीं लगाते। पर क्यों बड़े हो जाने पर वो बातें भूल जाते हैं जो हमने बचपन में सीखी–मिलकर रहना, साथ रहना, इज्जत प्यार और मुश्किल समय पर साथ खड़े होना, शायद इन बातों को पूरा करने के लिए जो हिम्मत हममें होनी चाहिए वे कहीं गायब हो गई है या फिर अपने आपको टालने के लिए कह देते हैं कि वह सहय कुछ और था, हम छोटे थे, अब जरूरत और चीजें बदल गई हैं या फिर समय के अनुसार बदल जाना ही समझदारी कहलाती हैं। पर यह समझदारी प्रकृति तो नहीं दिखाती। हमारे जीवन में हुई कठिनाइयों के लिए ईश्वर को दोष देते हैं और अपनी गलतियां भूल जाते हैं। यही नहीं कभी कभार तो संतान अपने माता–पिता को भी दोषी बना डालते हैं माता–पिता अपनी संतान के लिए खुशियां बटोरने में दोष शब्द को जगह दे ही नहीं पाते। गुणों में किसी के दोष को छिपा लेने का हुनर सीख जाए तो यह दुनिया और भी खूबसूरत दिखाई देगी। और नए व मजबूत रिश्तों और नई सोच सामने आएगी।

प्रिया बाली *(मो.) 9873992990*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

प्रेमनगर-देहरादून

सभा की मासिक बैठक दिनांक 28.03.2016 को श्रीमती नूतन शर्मा एवं श्री गंगा प्रसाद शर्मा (लौ) जी के निवास स्थान पर हुई। बैठक में 20 सदस्यों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता श्री डी.एन. दत्ता प्रधान ने की। श्री राजेश बाली सचिव ने गत माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा श्री जे.एस. दत्ता जी ने आय–व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। सभी ने इसका अनुमोदन किया।

श्री हर्षवीर मेहता जी के सुपुत्र अंकित मेहता की सगाई के शुभ अवसर पर सभी ने उनको बधाई दी।

सचिव श्री राजेश बाली जी ने सभा को सूचित किया कि जीएमएस से एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें ले.कर्नल एल.आर. वैद (महासचिव जीएमएस), श्री अशोक छिब्बर एवं मोहयाल आश्रम हरिद्वार से श्री दत्ता जी के देहरादून पधारने पर श्री हर्षवीर मेहता जी के निवास स्थान पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सचिव राजेश बाली, प्रधान श्री डी.एन. दत्ता, श्री जे.एस. दत्ता एवं सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री वेद प्रकाश मोहन एवं प्रो. कमल रत्न वैद जी ने अपने विचार रखें। प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी ने सुझाव दिया कि मोहयाल स्कूल देहरादून की समिति में एक सदस्य प्रेमनगर सभा से भी सम्मानित किया जाए। जिस पर जीएमएस द्वारा विचार करने का आश्वासन दिया।

श्री जे.एस. दत्ता जी ने सुझाव दिया कि मई माह में एक मोहयाल मिलन का आयोजन किया जाए। सभी ने इस सुझाव का स्वागत किया तथा पाँच सदस्यों की एक कमेटी का गठन किया गया। प्रो. कमल रत्न वैद जी ने अपनी पूज्य माता श्रीमती इन्द्रमोहनी वैद जी की 88वीं वर्षगांठ पर सभा को 501 रुपए भेंट किए।

भजन कीर्तनः श्रीमती सुषमा दत्ता पत्नी श्री परवेश दत्ता जी ने तथा श्रीमती नूतन शर्मा जी ने अपने मधुर स्वर में भजन सुनाए।

सभा के अन्त में श्रीमती एवं श्री गंगा प्रसाद शर्मा जी को स्वादिष्ठ भोज के लिए सभा की ओर से धन्यवाद दिया। सभा की अगली बैठक श्रीमती रजनी बाली के निवास स्थान पर होगी।

राजेश बाली, *सचिव (मो. 9758135583)*

अबोहर-पंजाब

सभा की मासिक बैठक 24 अप्रैल 2016 को मेहता दविन्द्र कुमार भीमवाल एवं श्रीमती रितू भीमवाल जी के भंगरखेड़ा स्थित निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता श्रीमती कमला भीमवाल जी ने की।

मोहयाल प्रार्थना एवं गायत्री प्रार्थना के पश्चात सभा की कार्यवाही आरम्भ हुई। चूँकि बच्चों ने अपनी–अपनी कक्षाओं में अच्छे अंक लेकर नई कक्षाओं में प्रवेश लिया था, सभी को आशीर्वाद तथा बधाई दी गई। मीटिंग में सभी ने उन्हें आगे और भी मेहनत करने के लिए कहा। कई सदस्यों ने मोहयाल मित्र न आने की शिकायत की। परिवार ने श्रीमती कमला भीमवाल जी की लंबी आयु की कामना की।

शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई। परिवार का मीटिंग तथा जलपान के लिए धन्यवाद किया गया।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक एक मई 2016 को प्रधान श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 35 भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त–

शोकः स्वर्गीय श्रीमती राज मेहता पत्नी स्व. श्री एन.के. मेहता, भूतपूर्व महासचिव का निधन 4 अप्रैल को नवीं मुंबई में हुआ। श्री प्रमोद दत्ता जी के पिताजी स्व. श्री ओम प्रकाश दत्ता जी का निधन 14 अप्रैल व श्री एस.एस. वैद की पत्नी श्रीमती कमलेश वैद का निधन 16 अप्रैल को फरीदाबाद में हुआ। सभी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई व कहा कि कक्षा दसवीं व बारहवीं की परीक्षाएँ समाप्त हो चुकी हैं व अब परिणाम भी आने वाला है। इसलिए जब भी परीक्षा परिणाम घोषित हो, 60 प्रतिशत व उसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मोहयाल छात्र व छात्राएँ अपनी मार्क–शीट की फ़ोटोकॉपी श्री बलराम दत्ता जी के पास जमा करवा दें, जिससे 'प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान' का आयोजन शीघ्र किया जा सके।

सेंकड ले. पुनीत नाथ दत्ता, जिन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था, का जन्मदिन 29 अप्रैल को था। श्री रमेश दत्ता जी ने उन्हें याद करते हुए कहा कि हमारे इस बहादुर बेटे ने अपने देश के लिए जान गंवा कर केवल अपने माता पिता का ही नहीं बल्कि अपनी पूरी बिरादरी का नाम रोशन किया है। हमें अपने इस शहीद पुत्र पर गर्व है। सभी उपस्थितजनों ने शहीद पुनीत दत्ता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि 8 मई को भगवान परशुराम जयंती है व इस शुभ अवसर पर हम सभी प्रार्थना करें कि जो हमारे मोहयाल भाई–बहन इस बिरादरी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं, भगवान परशुराम जी उनको सद्बुद्धि प्रदान करें व हमें भी इतनी शक्ति दें कि हम अपनी यथा शक्ति अपनी बिरादरी की सेवा कर सकें।

श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि 16 अप्रैल को श्री आर.सी दत्ता जी का 75वां जन्मदिन था व आज के लंच की व्यवस्था उनकी ओर से की गई है। उन्होंने अपनी व सभा की ओर से जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं व भोजन के लिए धन्यवाद किया।

श्रीमती बाला बाली जी ने बताया कि 8 मई को भगवान परशुराम जयंती है के साथ–साथ मातृ दिवस भी है। इस अवसर पर उन्होंने व श्रीमती आशु वैद जी ने 'माँ' पर गीत सुनाकर सभी को भाव–विभोर कर दिया। हरप्रीत दत्ता व मानस वैद ने भी सुन्दर कविताएँ प्रस्तुत की।

श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्र की–

श्री रामेश्वर दत्ता जी व श्रीमती प्रेम लता दत्ता ने अपने पौत्र मास्टर अरनव राय दत्ता सुपुत्र डॉ. सोनू दत्ता व श्री कुलदीप राय दत्ता, के मुंडन संस्कार के शुभ अवसर पर 1100 रुपए, श्री आर.सी दत्ता जी ने 1000 रुपए विधवा फंड व श्री प्रमोद दत्ता जी ने 500 रु. अपने स्वर्गीय पिता श्री ओम प्रकाश दत्ता जी की याद में भेंट किए।

सभी को सूचित किया गया कि जून में मीटिंग नहीं होगी व अगली मीटिंग 3 जुलाई को भवन में होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — ***रायज़ादा के.एस. बाली,*** *महासचिव*
मो.: 9212557095 — *मो. 9899077041*

सहारनपुर

सहारनपुर मोहयाल सभा की मासिक बैठक दिनांक 24 अप्रैल को पंजाबी बाग स्थित मोहयाल भवन में प्रधान अनिल बक्शी भोली की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण से सभा प्रारम्भ हुई, तत्पश्चात रवि बक्शी ने विगत माह की रिपोर्ट पढ़ी जिस पर सभी मोहयाल भाईयों ने अपनी सहमति प्रगट की।

प्रधान अनिल भोली ने हमेशा की तरह एकजुटता पर बल देते हुए सभी सदस्यों को जीएमएस का आजीवन सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रचंड गर्मी में सभा में पहुँचे 13 मोहयाल बन्धुओं का दिल से आभार प्रकट किया। वरिष्ठ सदस्य राजेश बाली ने सुझाव दिया भीषण गर्मी को देखते हुए आगामी बैठक का समय सांय 6 बजे का रखा जाए, जिस पर सभी ने सहमति जताई। पवन दत्ता ने विचार रखते हुए कहा इस वर्ष जिन बच्चों ने 10वीं व 12वीं की परीक्षा दी है उन्हें सभी सदस्य मिलकर सभा की ओर से शुभकामनाएँ देते हैं और जो बच्चे 60 प्रतिशत से ऊपर अंक लाएंगे उन्हें स्मृति चिन्ह् देकर सम्मानित किया जाएगा। महासचिव रवि बख्शी ने कहा युवाओं को भी सभा में लाना चाहिए। क्रिकेट को बढ़ावा देते हैं अच्छी बात है लेकिन मेरा तो देश की सभी मोहयाल सभाओं से अनुरोध है समय–समय पर बैठक को गोष्ठी का रुप देते हुए शहीदों के सरताज अमर बलिदानी भाई मतिदास छिब्बर, भाई परमानंद छिब्बर, भाई बाल मुकंद के अलावा भारतीय सेना के शहीद युवा मोहयालों को भी याद करके बच्चों को बताए। आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस है पेयजल संकट से निपटने के लिए जल संरक्षण की आवश्यकता बताए। सभी ने इस बात पर समर्थन किया।

अनिल भोली व सभी उपस्थित सदस्यों ने रवि बख्शी के जन्मदिन (28 अप्रैल) पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। आगामी बैठक 29 मई को मोहयाल भवन में सायं 6 बजे होगी सभी सदस्यों से अपील है अधिक संख्या में पधारे।

अनिल बख्शी, *प्रधान* — ***रवि बख्शी,*** *महासचिव*
मो.: 9319318690 — *मो. 9897645347*

नजफगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 1.05.2016 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान, दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा नजफगढ़ नई दिल्ली में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 15 भाई बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता जी ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

शुभ समाचारः श्री हर्ष दत्ता की सुपुत्री कु. खुशी का विवाह चि. निमित के साथ 20 अप्रैल 2016 को धूम धाम से सम्पन्न हुआ।

प्रधान जी ने सूचित किया कि सभी लोकल मोहयाल सभा के सभी प्रधान व सभी सचिव की मीटिंग 14 मई और 15 मई 2016 को श्रीमन्ता शंकरदेवा भवन ए 14 बी कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, यू. एसओ रोड, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली में होगी। सभा की तरफ से कोई सुझाव है तो बताएँ ताकि समय पर जीएमएस को भेज दें।

प्रधान जी ने अनुरोध किया कि बैठक में अधिक से अधिक सदस्य भाग लें ताकि बिरादरी में मेल जोल बना रहे। सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

अगली बैठक 5 जून 2016 को श्री हर्ष दत्ता सचिव के निवास स्थान पर होगी।

शेरजंग बाली, *प्रधान* — ***हर्ष दत्ता,*** *सचिव*
मो.: ए9871756765 — *मो. 9312174583*

भूल सुधारः मोहयाल मित्र मई, मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक रिपोर्ट के अंत में बाएँ तरफ शेर जंग बाली, प्रधान की जगह शेरजंगी, प्रधान लिखा गया है पेज नं. 29 पर। कृपया इसे "शेर जंग बाली प्रधान पढ़ें।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती संगीता दत्ता के निवास स्थान पर हुई। सभा की अध्यक्षता श्रीती कमला दत्ता जी ने की। सभा में सभी बहनों ने भाग लिया, सभा की कार्यवाही गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई।

सभा में सभी बहनों ने श्रीमती सुनिता दत्ता को उनके पति श्री वीरेन्द्र दत्ता जी के रिटायरमेंट पर बधाई दी। श्री वीरेन्द्र दत्ता जी 29 मई 2016 को रिटायर हुए, इस मौके पर पार्टी का आयोजन कियागया। श्री वीरेन्द्र दत्ता जी और श्रीमती सुनिता दत्ता जी ने स्त्री सभा यमुनानगर को 500 रुपए दान दिए भगवान उनकी दीर्घायु करें।

श्रीमती प्रवीन बाली जी और श्री सूरत प्रकाश बाली जी ने अपनी माता स्वर्गीय श्रीमती लीलावन्ती बाली पत्नी स्व. श्री बिहारी लाल बाली की बरसी (3 मई 2016) को 500 रुपए स्त्री सभा यमुनानगर को दान दिए। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

सभा में श्रीमती सूरज वैद, श्रीमती सुनिता दत्ता, श्रीमती प्रेम दत्ता और श्रीमती विजय लक्ष्मी ने अपने विचार रखे।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*
फोन: 01732–226799

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की एक मासिक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन बैंक कालोनी ऊना रोड पर हुई। प्रधान जी ने परशुराम जयन्ती की शोभा यात्रा में शामिल होने के लिए सभी से अनुरोध किया तथा परशुराम जयन्ती की सभी को बधाई दी। विजयन्त बाली तथा दिनेश दत्ता ने सभा को संगठित करने के लिए अधिक से अधिक लोगों से सम्पर्क करने का अनुरोध किया। श्री पी. पी. मोहन जी बीमार चल रहे हैं, प्रधान जी तथा विजयंत बाली जी ने उनका हाल चाल पूछा तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए मंगल कामना की।

इस अवसर पर मनोज दत्ता, श्री दिनेश दत्ता, इन्द्र मोहन बाली, वरिन्द्र दत्त वैद और अरविन्द मैहता।

मनोज दत्ता, *ज्वांइट सेक्रेटरी*

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 8 मई 2016 को श्री राजकुमार दत्ता जी के निवास स्थान पर श्री राजिन्द्र दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

सर्वप्रथम मोहयाल प्रार्थना हुई, तत्पश्चात तीन बार गायत्री महामन्त्र का उच्चारण किया गया। इसके पश्चात सदस्यों ने एक–दूसरे को भगवान परशुराम जयन्ती की शुभ कामनाएँ दीं। श्रीमती नीलम दत्ता जी ने सभी को 'मदर्ज़ डे' की बधाई दी।

श्री विजय मेहता जी के सुपुत्र भरत दत्ता जी का हाल ही में लुधियाना में विवाह सम्पन्न हुआ है, उन्हें बधाई दी गई। श्री बृजमोहन जी ने बताया कि लुधियाना में श्री नरेन्द्र वैद जी ने उन सबका बड़ा स्वागत किया। डॉ. लज्जा देवी मोहन जी ने फ़ोन द्वारा सभी को मोहयाल बिरादरी की एकता के लिए प्रेरित किया।

सदस्यों को बताया गया, कि आगामी 14–15 मई को जी.एम. एस मुख्यालय में लोकल सभाओं के प्रधान व सचिवों की बैठक रखी गई है, जिसमें बिरादरी की उन्नति व अन्य समस्याओं के बारे में चर्चा की जाएगी।

मीटिंग में श्री राजिन्द्र दत्ता जी की अच्छी सेहत की कामना की गई। श्रीमती कैलाश वैद जी की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। विंग कमाण्डर श्री एम.बी. दत्त जी की जल्द स्वस्थ होने की प्रभु से प्रार्थना की गई। साथ ही श्री भूपेन्द्र दत्ता जी की भी अच्छी सेहत की कामना की गई। सदस्यों ने बच्चों के रिश्ते–नातों में आ रही दिक्कतों पर चर्चा की। शादी के लायक लड़का–लड़की दोनों के रिश्ते में ही परेशानी आने के कारणों की सदस्यों ने चर्चा की।

अन्त में शांति पाठ के साथ मीटिंग समाप्त हुई। जलपान की व्यवस्था व सभा के लिए श्रीमती नीलम दत्ता, श्री राजकुमार दत्ता व रुहानी दत्ता का धन्यवाद किया गया।

नरेन्द्र छिब्बर *(मो. 09416412184, 08222023131)*

कुरूक्षेत्र

मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग 8 मई 2016 को मोहिन्दर बक्शी जी के निवास स्थान पर हुई। सभा की अध्यक्षता प्रधान संतोष वैद ने की। सभा में लगभग 30 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा का आरम्भ हुआ, प्रधान जी ने पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सभी ने उसका अनुमोदन किया। स्नेह छिब्बर जी की माता श्रीमती परमेश्वरी देवी जो पिछले कई समय से अस्वस्थ चल रही है उनके शीघ्र स्वास्थ्य की कामना की।

श्री दुष्यन्त बक्शी जी की धर्मपत्नी सोनू रानी जो कि वार्ड नं. 3 से नगर परिषद का चुनाव लड़ रही है उनका हार्दिक स्वागत किया गया तथा सभा की ओर से उन्हें पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया गया।

प्रधान जी ने श्रीमती व श्री मोहिन्दर बक्शी जी का जलपान के लिए धन्यवाद किया। सभा का समापन गायत्री मंत्र के साथ हुआ।

संतोष वैद, *प्रधान*

स्वर्गीय श्री रघुनाथ दत्ता जी की याद में

श्री रघुनाथ दत्ता जी का देहान्त 25 जून 1988 को हुआ था। स्वर्गीय श्री रघुनाथ जी हिल, तहसील बाग जिला पूंछ के

जाने माने विद्वान, जमींदार, व्यवसायी स्व. मेहता गोकुलचंद दत्ता के सबसे बड़े पुत्र थे। मेहता गोकुलचंद को पूंछ के राजा के दरबार में गद्दी हासिल थी और बिरादरी में इन्हें आज भी बड़े आदर के साथ याद किया जाता है। स्व. श्री रघुनाथ दत्ता की पत्नी स्व. श्रीमती विद्या देवी दत्ता का स्वर्गवास 25 जनवरी 2012 को भारत नगर, दिल्ली में हुआ था। स्व. श्रीमती विद्या देवी दत्ता की माता स्व. पार्वती देवी वैद थी और उनके पिता स्व. देवी दत्तामल वैद डन्ना–कचीली, जिला मुजफ्फराबाद, काश्मीर के प्रमुख जमींदार थे।

स्व. विद्या देवी व स्व. रघुनाथ दत्ता अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके तीन पुत्र व एक पुत्री है। उनके बड़े बेटे श्री ओम प्रकाश दत्ता दूरदर्शन में निदेशक पद से, दूसरे बेटे श्री सुरेश कुमार दत्ता, भारत सरकार में सहायक निदेशक पद से रिटायर हुए हैं। तीसरे बेटे राकेश दत्ता राजपत्रित अधिकारी हैं। उनके दामाद श्री पीयूष बाली डिप्टी कमिश्नर (कस्टम) रहे हैं। उनके मध्यम बेटे श्री सुरेश कुमार दत्ता अपने पिता स्व. श्री रघुनाथ दत्ता की याद में मोहयाल आश्रम हरिद्वार को लंगर के लिए 11000 रुपए भेंट किए हैं।

बरसी

श्रीमती सुरेष्टा बाली पत्नी स्वर्गीय श्री केदारनाथ बाली की बरसी दिनांक 5.10.2015 को थी। उनके लड़कों ने हरिद्वार मोहयाल आश्रम में 11000 रुपए लंगर फंड के लिए भूषण बाली, बृजभूषण बाली, अशोक कुमार बाली, वीजेन्द्र बाली और आजाद ने दान दिए।–*अशोक कुमार बाली, म. नं. 705 वार्ड नं.6 महरौली, नई दिल्ली–110030*

पुण्य-तिथि

श्री प्रकाशचंद बाली की चौदहवीं पुण्य–तिथि स्वर्गीय श्री प्रकाश चंद बाली सुपुत्र श्री सालिगराम बाली की चौदहवीं पुण्य तिथि (26 अप्रैल 2016) के अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती सुशीला बाली व पुत्रों

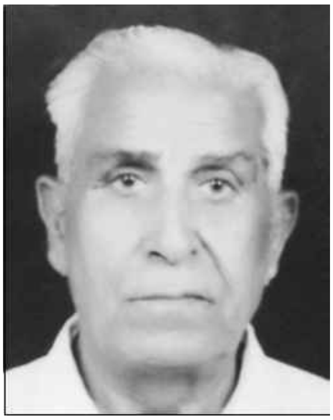

श्री रविकांत बाली, शशीकांत बाली, राजीव बाली, सुशेन बाली एवम् संदीपन बाली की ओर से गरीब बच्चों के लिए 1100 रुपए जी.एम.एस में भेंट कर रहे हैं। इनके नाम से वृंदावन आश्रम लंगर फंड और हरिद्वार आश्रम लंगर फंड के लिए ग्यारह–ग्यारह हजार रुपए पहले ही भेंट कर चुके हैं।–*रविकांत बाली, जी–11, गाँधी नगर, नाका मदार, अजमेर (राजस्थान)*

श्री सीताराम बाली की दूसरी पुण्यतिथि

श्री सीता राम बाली (98) निवास स्थान 1041ए वार्ड नं. 8 महरौली, नई दिल्ली का देहांत 10 मई 2014 को हुआ जो

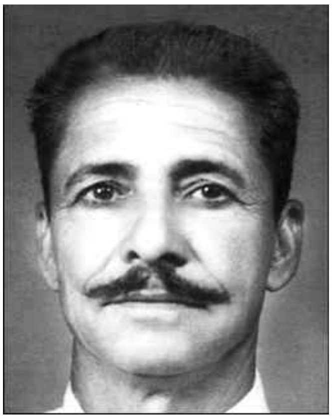

बेशक आज हमारे पास नहीं पर कहते हैं न कि पुण्य आत्माएँ उस आसमान में तारा बन चमकती रहती हैं और उनकी चमक अपने परिवार पर हमेशा बनी रहती है जो हर उस अंधेरे को दूर रखने का प्रयास करती है जो उनको अपनों को क्षति पहुँचाए। हम ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हैं और उनके आशीर्वाद की चमक हमेशा हम पर बनी रहे यही इच्छा रखते है। उनकी इस पुण्य तिथि के अवसर पर उनके परिवार की ओर से 250 रुपए जी.एम.एस की शिक्षा फंड में भेंट किए हैं।–*प्रिया बाली (मो.) 9873992990*

यदि बेटी ही नहीं रही तो?

एन्टी करप्शन फ्रंट जिला जालन्धर के प्रधान श्री के.के. बाली ने एक सभा में कहा कि नवरात्रों के दिनों में कन्या पूजन के दिन अक्सर लोगों को कन्या पूजने के लिए इधर–उधर भागना पड़ता है, यह सब अपेक्षा का नतीजा है जो कि हम जन्म से पहले ही माँ के पेट में ही मार देते हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो 10–20 वर्षों के बाद हम घर में बहू लाने को भी तरसेंगे क्योंकि यदि बेटी ही न रही तो बहू कहाँ से लाऐंगे?

के.के. बाली, *(मो. 7837733418)*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

मोहयाल, मोहयालियत और इतिहास-5

मुस्लिम शासन का मोहयाल प्रतिरोध

पूर्व कथाः मोहयाल इतिहास हमारे मोहयाल दिग्गज पूर्वजों द्वारा देश की सुरक्षा के लिए आक्रमकों के निरंतर प्रतिरोध की स्वर्ण गाथा है। इसी कारण **विदेशी** शासकों ने भारत के उस समय के इतिहास को सामने नहीं आने दिया। छिब्बर मोहयालों ने 80 वर्ष सिंध पर शासन किया। उस समय की विश्व की सबसे बड़ी शक्ति अरबों, ने सिंध पर पन्द्रह आक्रमण किए और अंतिम हमले में वीरता से लड़ता हुआ डाहर रणभूमि पर शहीद हो गया। गुर्जर–प्रतिहार (मध्य भारत) और (मुस्लिम) "सामानी" (मध्य एशिया) के दो सशक्त साम्राज्यों के बीच फंसे (सरहिंद से काबुल तक) मोहयाल वैद और दत्त राजाओं ने, सामरिक महत्व के दर्रा खैबर के दोनों ओर शासन करते हुए, लगभग दो सौ वर्ष तक मुस्लिम शक्ति को रोक कर रखा। इस दौरान भारत, शान्ति और समृद्धि का उपभोग कर सका। गज़नी में तुर्क सल्तनत के रूप में एक बड़ी शक्ति उभरी, जिसने पहले अपने स्वामी "सामानी" सम्राट को ध्वस्त करके अपनी शक्ति अजेय बना ली। वैद राजाओं की चार पीढ़ियाँ–जयपाल, आनन्दपाल, त्रिलोचनपाल और भीमपाल–ग़ज़नी राजवंश का सतत प्रतिरोध करती रहीं। जब उनका अस्तित्व नहीं रहा तो किसी और हिन्दू राजा ने उस दृढ़ता से तुर्कों का प्रतिरोध नहीं किया। यह मोहयाल राजे, सिंध और अफ़ग़ानिस्तान के अंतिम हिन्दू शासक थे। महमूद गज़नवी के राजवंश का 1023 से 1186 तक पंजाब पर आधिपत्य रहा। इस्लामी झंझावत धीरे–धीरे सारे भारत पर छा गया।

हिन्दु जनता के लिए यह लम्बा **विदेशी** शासन अधिक क्रूर तथा अत्याचारी था। शेष भारत के समान पंजाब में भी, जब भी हो सका, प्रतिरोध होता रहा और सबसे पहला प्रतिरोध मोहयालों ने किया। मुस्लिम इतिहासकारों ने महमूद के समय में "नवासा शाह" जो "औलाद मालक हिन्द" (हिन्द के एक राजा का बेटा) था, उसके बारे में लिखा है। माना जाता है कि वह जयपाल वैद का नवासा (बेटी का बेटा) था और उसका असली नाम सुखपाल था। वह महमूद की कैद में था। 1030 में महमूद का निधन हो गया तो सुखपाल किसी तरह वहां से निकल कर आ गया। 1043 ई. में दिल्ली के तोमर राजा ने कुछ अन्य हिन्दू शासकों के साथ आकर हांसी, थानेसर और आगे नागरकोट के दुर्ग जीत लिए। नागरकोट के मंदिर में पुनः मूर्तियां स्थापित करके पूजा अर्चना होने लगी। हिन्दुओं का मनोबल उस समय बहुत ऊंचा था। सुखपाल ने पंजाब के पर्वतीय राजाओं से मिलकर 10,000 अश्वारोही और भारी संख्या में पैदल सैनिकों का दल बनाया। तीन हिन्दू राजाओं ने लाहौर पर आक्रमण कर दिया।

इस समय महमूद का बेटा मौदूद, गज़नी का शासक था और पंजाब उसके आधीन था। अपने देश से दूर, इस संकट की गंभीरता को समझकर लाहौर के सब मुस्लिम अधिकारी संगठित हो गए और सात मॉस तक हिन्दू आक्रमकों का प्रतिरोध करते रहे। दिल्ली के या अन्य किसी हिन्दू राजा ने इसमें भाग नहीं लिया। इस लम्बे युद्ध में अंततः सुखपाल मारा गया और लाहौर से **विदेशी** सत्ता को हटा कर वहाँ पुनः मोहयाल शासक स्थापित करने का उसका ध्येय विफल रहा। 1186 ई. तक पंजाब पर ग़ज़नी का आधिपत्य रहा। इसके पश्चात दिल्ली भी क्रमशः गुलाम, खिलजी, तुगलक, सैय्यद और लोदी अफगान वंशों की सल्तनत बनी। 1526 ई. में **बाबर** के मुगल वंश ने सत्ता छीन ली।

पंजाब में प्रायः अराजकता की स्थिति रहती थी और **बाबर** तो ठीक से शासन स्थापित नहीं कर पाया था। 1527 में राजा मीन, गुरदासपुर के समीप एक क्षेत्र पर शासन कर रहा था। दत्त मोहयाल जाति के एक दिग्गज योद्धा 'राय पुन दीवान' ने राजा मीन पर आक्रमण करके उसके क्षेत्र पर आधिपत्य जमा लिया। आजकल के गुरदासपुर और दीनानगर के बीच 'पनियाड़' नाम के स्थान पर मजबूत दुर्ग बना कर अपनी राजधानी स्थापित की। **बाबर** ने अपने लाहौर के सबेदार को राय पुन के विरूद्ध कार्रवाई करने का आदेश दिया पर अंततः उसको जागीदार के रूप में रहने दिया गया।

हिन्दू प्रजा संकट में तो थी ही, स्त्रियों का सतीत्व और आबरू लूटे जाने का खतरा भी सदैव बना रहता था। गुरू नानक देव जी **बाबर** के समकालीन थे और उन्होंने मुगल–विजित क्षेत्रों में उसके अत्याचार का वर्णन करते हुए जनसंहार, लूटमार और महिलाओं की सरेआम बेइज़्ज़ती के बारे में इस प्रकार लिखा है। उनके "शब्द" जो गुरू ग्रन्थ साहिब में भी हैं, उनमें से कुछ उद्धत हैं:

(1) "काली काती राजे कसाई, धर्मु पंख करि उडरिया"...
(2) "धन जौबन दुई बैरी होये, जिन राखे रंग लाये दूताँ ने
फरमांइयां, लै चल पत गंवाए"

दत्त बहुत समय तक शान्ति से शासन नहीं कर सके। लाहौर के मुस्लिम सूबेदार की बुरी नज़र गोबिंद राम मरवाह की सुंदर बेटी पर पड़ गई और वह उसको अपनी "हरम" में लाना चाहता था। गोबिंद राम किसी प्रकार बेटी को लेकर पनियाड़ के हिन्दू राज्य में आया और उसके लिए शरण माँगी। स्थिति की गंभीरता को जानते हुए भी राय पुन ने शरणागत की सुरक्षा का आश्वासन दिया और सूबेदार के दूतों को लड़की देने से मना कर दिया। लाहौर के सूबेदार ने **बाबर** से आज्ञा मांग कर पनियाड सैनिक भेजे पर हर बार दत्त अपने दुर्ग की सुरक्षा करने में सफल रहे। एक बार दत्त एक कपास के खेत में इकट्ठे होकर कोई समारोह मना रहे थे जब एक भेदिये ने सूबेदार के सैनिकों को सूचित कर दिया जो भारी संख्या में उन पर टूट पड़े। इस युद्ध में सब निहत्थे दत्त शहीद हो गए। दुर्ग में जो थे उनकी भी हत्या कर दी गई और स्त्रियां अग्नि में "सती" हो गईं। दो बच्चे – शाह सरूप और ढोलन – जम्मू के समीप अपने नाना के पास गए हुए थे केवल वह ही बचे। इस हत्याकाण्ड का दत्त जाति के लोगों पर इतना दुखद प्रभाव हुआ कि कोई दत्त पनियाड में पानी भी नहीं पीता था। क्योंकि यह घटना वीरवार के दिन हुई थी कई दत्त परिवार वीरवार के दिन कोई नया काम आरम्भ नहीं करते। (टी.पी रस्सल स्ट्रेसीः दी हिस्ट्री आफ दी मोह्यालज़, कवित पृष्ठ 73–74, जेहलम गज़ेटियर, 1905, पृष्ठ 121)

मोहयाल संख्या में बहुत कम थे और राज सत्ता भी उनके हाथ से निकल गयी थी। "नमक की पहाड़ी श्रृंखला" के पास रह रही खोखर जाति के लोग उनके सहयोगी और पड़ोसी थे। **विदेशी** राज के विरोध की अगुवाई अब उनके पास चली गयी। वह कई शताब्दियों तक हिन्दू ही रहे और अवसर मिलने पर कई क्षेत्रों पर अपना शासन जमाया। इस प्रतिरोध में मोहयाल भी उनके साथ रहे होंगे पर उपलब्ध इतिहास में उनके पद् चिन्हों की पहचान कठिन है। "कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी"। मोहयाल भी उनके साथ रहे होंगे पर उपलब्ध इतिहास में उनके पदचिन्हों की पहचान कठिन है। "कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी"। मोहयाल, देश के लिए सदैव बलिदान होते रहे। उनका वर्णन भी करेंगे।

नोटः मोहयाल इतिहास संबंधी इन लेखों को पढ़ कर पाठकों के मन में कुछ प्रश्न, शंका या सुझाव होंगे। आप निसंकोच मोहयाल मित्र द्वारा या सीधे लेखक से सम्पर्क कर सकते हैं।

2. आप इस श्रृंखला के लेखों को निकाल कर पुस्तिका के रूप में एकत्रित करते जाएँ। आपके पास मोहयाल इतिहास की एक लघु पुस्तिका बन जाएगी।

आर.टी मोहन *(पंचकुला) मो. 09464544728*

13th PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN –2016

Classes Secondary (Class X) and Sr. Secondary (Class XII)

(Only for Mohyal Students)

Eligibilty: 85% (percent) and above **Last Date: 31st August 2016**

1. Name: .... **(Caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)**
2. Mother's Name: ....
3. Father's Name: .... (Caste ....)
4. Date of Birth: ....(Class passed ....)
5. Residential Address: ....

   ....

   Mobile No. .... Phone No. ....

   E-mail: ....
6. Name and address of School: ....

   ....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks / Grades
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	**Percentage ....**

.... **Signature of Student**

.... **Signature of Mother/Father/Guardian's**

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2016 Board Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform). Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Convenor, Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

(a) You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

(b) Only Mohyal Students with caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid are eligible.

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com